क्रियायोग आश्रम व अनुसंधान संस्थान

संचालन द्वारा: योग सत्संग समिति/क्रियायोग सत्संग समिति
संस्थापक-अध्यक्ष : श्री गुरुदेव स्वामी श्री योगी सत्यम्

मातृ केन्द्र व मुख्यालय
झूँसी, इलाहाबाद-211019
उत्तर प्रदेश, भारत
दूरभाष : 0532-2569 243
मोबाइल: 9415217277/81
ई-मेल:yogisatyam@hotmail.com

उत्तरी अमरीका केन्द्र :
योग फेलोशिप टेम्पुल
388 प्लेन्स रोड, किचनर.ओन्टोरिया
कनाडा, एन 2 आर 1 आर 8
दूरभाष : 001-519-696-3869
ई-मेल: kriyayoga.canada@yahoo

बेवसाइट: kriyayoga-yogisatyam.org
क्रम संख्या .....

वर्तमान समय आरोही द्वापर का 313 वाँ वर्ष है
दिनाँक :

प्रकाशनार्थ

20 फरवरी, 2013 महाकुंभ क्षेत्र में मुक्ति मार्ग पर क्रियायोग का विशेष कार्यक्रम

गीता में निहित सत्य दर्शन से राष्ट्र निर्माण सुनिश्चित

20 फरवरी, 2013 इलाहाबाद । भारत को पुनः उच्चतम् शिखर पर आसीन करने की महान योजना के क्रियान्यवन में भगवान श्रीकृष्ण की सर्वोच्च शिक्षा गीता के छिपे रहस्य को खोल देने से क्रियायोग शिविर उसी तरह प्रकाशित हो रहा है जिस प्रकार दीपक के जल जाने से अँधेरी कोठरी प्रकाशित हो जाती है । महाकुम्भ क्षेत्र में मुक्ति मार्ग पर क्रियायोग शिविर में अन्तर्राष्ट्रीय संत स्वामी श्री योगी सत्यम् जी ने श्रीमद्भगवद्गीता के प्रथम अध्याय के द्वतीय और तृतीय श्लोक में छिपे रहस्य को प्रकट करते हुए कहा कि जब मनुष्य अपने दृश्य रूप के पश्च भाग में स्थित ब्रेन और स्पाइनल कार्ड में दिव्य गुफा में मन को स्थिर करके चतुर्दिक निरीक्षण करता है तो उसे सभी मानव विकास के भिन्न–भिन्न स्तर पर देवता लगते हैं । ऐसा अनुभव होते ही साधक के अंदर से राग–द्वेष समाप्त हो जाता है ।

स्वामी श्री योगी सत्यम् जी ने क्रियायोग ध्यान का अभ्यास कराते हुए स्पष्ट किया कि जैसे–जैसे क्रियायोग ध्यान से अन्तःकरण शुद्ध होने लगता है वैसे–वैसे पृथ्वी पर विचरण करने वाले सभी मानव देवताओं के रूप में प्रकाशित होने लगते हैं । हत्या, लूट पाट, चोरी, राहजनी में व्यस्त मानव मानसिक और शारीरिक रूप में बीमार देवताओं के रूप में हैं जिनका उपचार

अश्वनी कुमार देवता करते हैं । पृथ्वी पर वे सभी मनुष्य जिनके इन्द्रिय और मन में अनन्त शक्ति जागृत हो गयी है, वे अश्वनी कुमार देवता के रूप में सभी की बीमारी दूर करने का कार्य करते हैं । स्वामी जी ने देश विदेश से आये साधकों, कल्पवासियों और तीर्थयात्रियों को स्पष्ट किया कि क्रियायोग ध्यान से प्रत्येक मनुष्य की अवस्था अश्वनी कुमार युगल देवता के रूप में विकसित हो जाती है जिससे सभी शारीरिक और मानसिक बीमारियॉ पूर्णतया समाप्त हो जाती हैं ।

स्वामी श्री योगी सत्यम् जी ने सभी का आवाहन करते हुए कहा कि राष्ट्रव्यापी समस्त समस्याओं के निराकरण के लिए क्रियायोग का दीप भारत के प्रत्येक घर में जलना अनिवार्य है । क्रियायोग के विस्तार से जातिवाद, सम्प्रदायिक भेदभाव का समापन होगा तथा सियाराम मय सब जग जानी का भाव प्रत्येक मानव के हृदय में प्रकाशित होगा जिससे भारत पुनः गौरवशाली राष्ट्र के रूप में प्रकट होकर सम्पूर्ण विश्व की उच्चतम् सेवा करेगा ।

क्रियायोग प्रशिक्षण एवं अभ्यास का कार्यक्रम प्रतिदिन कुम्भ मेला में मुक्ति मार्ग पर प्रातः 8:00 बजे से 10:00 बजे तक तथा दोपहर 2:30 बजे से सायं 6:00 बजे तक और रात्रि 11:00 बजे से 1:00 बजे तक हिन्दी तथा अॅग्रजी भाषा में बडे ही प्रभावशाली रूप में चल रहा है ।

- योगमाता